



अग्रभारत

नई सोच का अखबार

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्ष: 19 अंक: 104

आगरा, गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2.00 रू.

केजरीवाल बोले- हमने देश की बेहतरी के लिए पार्टी बनाई

नई दिल्ली(ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा कि उनका मकसद पार्टी नहीं, बल्कि देश है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत यात्रा, आम आदमी पार्टी के गठन के पीछे के कारणों, दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार विरोधी कदमों और हाल ही में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों पर खुलकर बात की। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने इनकम टैक्स में संयुक्त आयुक्त का पद छोड़कर 10 साल तक झुगियाँ में काम किया, जो लोगों को कम ही पता है। उनके मुताबिक, अन्ना आंदोलन के बाद जब लोकपाल बिल नहीं बना, तो देश की बेहतरी के लिए उन्हें पार्टी बनानी पड़ी। उनका कहना था कि यदि उस समय सरकार लोकपाल कानून बना देती, तो शायद उन्हें पार्टी बनाने की जरूरत ही न पड़ती। दिल्ली सरकार के



कामकाज पर बात करते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार खत्म करने के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहले सरकारी ठेकों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था, क्योंकि रेट सरकारी अधिकारी तय करते थे।

उनकी सरकार ने ऑनलाइन ऑक्शन की व्यवस्था शुरू की, जिससे राजस्व दोगुना या तिगुना हो गया और पारदर्शिता आई। उन्होंने कहा कि जो ज्यादा बोली लगाएगा, वही ठेके ले जाएगा, यह एक सीधी

और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था है। जेल से सरकार चलाने के मुद्दे पर केजरीवाल ने कहा कि विपक्षी ताकतें जानबूझकर मुख्यमंत्रियों पर फर्जी मुकदमे कर उन्हें गिरफ्तार करवाती हैं, ताकि उनकी सरकारें गिराई जा सकें। उन्होंने दावा किया कि वे इस रणनीति का मुकाबला करना चाहते थे कि गिरफ्तारी के बावजूद इस्तीफा नहीं देंगे और सरकार जेल से ही चलाएंगे। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की टिप्पणी का भी हवाला दिया कि सरकार जेल से क्यों नहीं चल सकती। उन्होंने इस संदर्भ में कुछ अन्य मुख्यमंत्रियों की सरकारों का भी उल्लेख किया जिन पर इसी तरह के आरोप लगाकर कार्रवाई की गई थी। केजरीवाल ने मतदाता सूची में कथित हेरफेर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र की रिपोर्ट

का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर एसडीएम की वोट जोड़ने या हटाने की शक्ति को एक सॉफ्टवेयर के माध्यम से कुछ इलाकों में हटा दिया गया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण दिया, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बार-बार पत्र लिखकर लोगों के नाम जोड़ने की गुहार लगानी पड़ रही थी, जबकि यह शक्ति स्थानीय एसडीएम के पास होनी चाहिए थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दिल्ली में बैठे लोग मनमाने ढंग से वोट हटाते या जोड़ते रहे, तो सरकारें बदल नहीं पाएंगी और लोकतंत्र का सत्यानाश हो जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि जनता सरकार से असंतुष्ट होने पर उसे बदल सकती है। उन्होंने बताया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने इस पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए एक बड़ी टीम बनाई है।

अब पटना में लड़की पर टूट पड़े दरिंदे, बीच सड़क पर छेड़ने के बाद पीटा सीसीटीवी में कैद हुई हैवानों की तस्वीर

पटना(ए)। बिहार में लड़कियों और छात्राओं के खिलाफ अपराधों का लिटसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जमुई, समस्तीपुर और बांका जैसे शहरों के बाद अब राजधानी पटना में भी ऐसी घटनाओं से हड़कंप मचा है। यहां एक छात्रा के साथ छेड़खानी और मारपीट की गई, वहीं एक अन्य मामले में छात्रा से दुष्कर्म के आरोपित समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लगातार हो रही घटनाओं से राज्य में महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

पहली घटना पटना सिटी के खाजेकलां थाना क्षेत्र की है। यहां बरकत खां का अखाड़ा के पास सोमवार देर शाम कोचिंग से लौट रही दसवीं की छात्रा से दो मनचलों ने छेड़खानी की। छात्रा अपनी दो सहेलियों के साथ पैदल घर लौट रही थी, तभी पहले से खड़े दो मनचलों ने उसे घेर लिया। जब छात्रा ने इसका विरोध किया, तो मनचलों ने उसके साथ मारपीट भी की। छात्राओं के शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़े, जिन्हें आता देख दोनों मनचले मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने मंगलवार को खाजेकलां थाने में मामला दर्ज कराया है। मेहदीगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता गुरहट्टा स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ती है। पुलिस ने घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है, जिसमें दोनों मनचलों की तस्वीर साफ कैद हुई है। एएसपी राजकिशोर सिंह ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान कर ली गई है। पीड़िता और उसकी सहेलियों ने भी फुटेज देखकर उनकी पहचान की पुष्टि की है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छ्मेमारी कर रही है।

दूसरी घटना में, शास्त्रीनगर थाने की पुलिस ने छात्रा से दुष्कर्म के आरोपित बॉबी समेत तीन लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में लेते भेज दिया। मुख्य आरोपित बॉबी मूल रूप से अथमलगोला का रहने वाला है, जो घटना के बाद अथमलगोला छोड़कर रामकृष्णानगर इलाके में रहने लगा था। पुलिस ने उसे रामकृष्णानगर से दबोचा। इसके अलावा, जिस होटल में कमरे लेकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था, उसके संचालक नालंदा निवासी जितेंद्र कुमार और रामकृष्णानगर के दिनेश कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। इन गिरफ्तारियों से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई का दावा किया है, लेकिन इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अपराधियों के हौसले अब भी बुलंद हैं और वे खुलेआम ऐसी वारदातों को अंजाम देने से नहीं चूक रहे हैं।

कांग्रेस में शामिल होने जा रहे गुजरात के पूर्व सीएम वधेला राहुल गांधी की हरी झंडी का इंतजार

अहमदाबाद(ए)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता शंकरसिंह वाघेला करीब एक दशक के बाद कांग्रेस में वापसी की तैयारी में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि गुजरात से भाजपा सरकार को हटाने के लिए वह कांग्रेस में लौटने को तैयार है। हालांकि, उनकी वापसी का अंतिम फैसला कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात के बाद ही होगा। वाघेला ने हाल ही में हुई बातचीत में कहा, बीजेपी सरकार को हटाने के लिए मैं कांग्रेस में शामिल होने को तैयार हूँ। उन्होंने बताया कि कांग्रेस में वापसी को लेकर उनकी पार्टी के गुजरात प्रभारी एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा और पूर्व केंद्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी से बातचीत हो चुकी है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि राहुल गांधी से मुलाकात के बाद ही उनकी वापसी को अंतिम रूप दिया जाएगा।

वाघेला की कांग्रेस में वापसी की बातचीत ऐसे समय में सामने आई है जब अगले महीने गांधीनगर नगर निगम चुनाव होने हैं और दिसंबर 2027 में गुजरात विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। 86 वर्षीय वाघेला ने कांग्रेस नेतृत्व को संदेश दिया है कि उन्हें पार्टी से किसी पद या लाभ की उम्मीद नहीं है, बल्कि वह पार्टी को अपना अनुभव और योगदान देना चाहते हैं। वाघेला ने 2027 के विधानसभा चुनाव को अपने राजनीतिक जीवन में प्रभाव डालने का आखिरी मौका बताया है। उन्होंने 2 अक्टूबर से अपनी बनाई प्रजा शक्ति डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडीपी) को फिर से सक्रिय करने के लिए आक्रामक अभियान चलाने का ऐलान भी किया है। हालांकि, वाघेला की वापसी को लेकर कांग्रेस नेताओं में पूरी तरह एकराय नहीं है। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने कहा कि पार्टी ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले दिनों में कई असंतुष्ट नेता कांग्रेस के साथ मंच साझा करेंगे और गुजरात में बदलाव लाने के लिए मिलकर काम करेंगे। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष देशी ने भी कहा कि कांग्रेस समान विचारधारा वाले सभी लोगों का स्वागत कर रही है। हालांकि, पार्टी के एक वर्ग को वाघेला की वापसी को लेकर अब भी संदेह है। इसकी बड़ी वजह 2017 में उनके कांग्रेस छोड़ने के समय की परिस्थितियाँ हैं। शंकरसिंह वाघेला ने 2017 में अपने 77वें जन्मदिन पर कांग्रेस छोड़ने का ऐलान किया था।

कोलकाता(ए)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की नवगठित पार्टी, तमिलनागा वेत्री कड़गम (टीवीके) की नजरें अब अपने गृह राज्य से बाहर दूसरे राज्यों पर भी टिकती दिख रही हैं। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल में टीवीके के नाम से एक दफ्तर खोला गया है, हालांकि पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इस कदम से दूरी बना ली है, लेकिन इससे जुड़ी गतिविधियों पर उसने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है। माना जा रहा है कि टीवीके अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी कार्यालय खोलने पर विचार कर रही है। पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के फागपुर में रविवार को यह दफ्तर खोला गया। इस दौरान चैताली रॉय को पश्चिम बंगाल में पार्टी का संयोजक बनाया गया। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से कई कार्यकर्ता शामिल हुए थे। हालांकि, इन खबरों के बीच टीवीके ने खुद को इस फैसले से दूर बताया है, लेकिन बंगाली शुभचिंतकों को शुभकामनाएं भी दी हैं।

वेबसाइट से बातचीत में पार्टी के प्रवक्ता एस.डी. तुहिनसेमुअल ने कहा कि फिलहाल टीवीके का तमिलनाडु से बाहर विस्तार का कोई प्लान नहीं है। इसके बावजूद, पश्चिम बंगाल में टीवीके के स्थानीय नेताओं का दावा है कि उन्हें तमिलनाडु से राज्य में अपनी



सक्रियता बढ़ाने के निर्देश मिले हैं। इन निर्देशों में सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने पर जोर दिया गया है, जिसके चलते ही बंगाल में भी संगठन विस्तार के लिए सामाजिक कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। बंगाल के नेताओं ने आगामी दिनों में जिले के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना की बात कही है। पश्चिम बंगाल में टीवीके की संयोजक चैताली रॉय ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि शुरुआत में सोशल मीडिया के जरिए प्रचार किया जाएगा। इसके बाद लोगों की समस्याओं और लाभ के मुद्दों को सुनने के लिए जनसंपर्क अभियान पर

जोर दिया जाएगा। रॉय ने पार्टी के मुख्य लक्ष्यों के रूप में शिक्षा और रोजगार को बताया। उन्होंने यह भी इच्छा व्यक्त की कि टीवीके चुनावों में उतरे, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अंतिम निर्णय बंगाल की जनता की इच्छा और शीर्ष नेतृत्व के फैसले पर निर्भर करेगा। रॉय के हवाले से यह भी कहा जा रहा है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय वर्तमान में उपचुनावों में व्यस्त हैं और अगर उन्हें सफलता मिलती है, तो वह निश्चित रूप से पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। उन्होंने बंगाल में पार्टी के समर्थकों की संख्या 5 हजार से अधिक होने का दावा किया है।

इस बार यूपी में पीडीए की सरकार बनेगी, बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी

सपा सांसद अवधेश प्रसाद का दावा, देश गंभीर स्थिति का सामना कर रहा अयोध्या,(ए)। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इंडिया ब्लॉक की बैठक और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। सांसद ने दावा किया कि इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। इंडी गठबंधन की बड़ी बैठक पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि देश एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति का सामना कर रहा है। युवाओं और छात्रों पर लाठीचार्ज, फायरिंग, आंसू गैस के गोले दागे जा रहे हैं। छात्रों ने जायज मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर महीने भर वित्थ प्रदर्शन किया। इसके बावजूद सरकार ने उनकी मांगों को सुनने के बजाय अड़ियल रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि किसानों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली का भारी संकट है और कई



इलाकों में रात के समय बिजली नहीं रहती। महंगाई लगातार बढ़ रही है और हमारी अर्थव्यवस्था अमेरिका पर निर्भर हो गई है। हमारी विदेश नीति कमजोर हुई है, लेकिन इस पर कोई उचित कार्रवाई नहीं हो रही है। भ्रष्टाचार और हत्याएं भी बढ़ रही हैं। इन हालात में यह बैठक बहुत अहम है। अखिलेश यादव के चुनावी मेनिफेस्टो पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि महिलाओं को 40,000 रुपए और लैपटॉप दिए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में बंद हुए 28,000 स्कूल फिर से खोले जाएंगे

और शिक्षा का स्तर सुधारा जाएगा। किसानों को मदद और मुफ्त बिजली मिलेगी। इन सभी बातों का जिक्र हमारे घोषणा-पत्र में है। हमारे लिए चुनावी घोषणा-पत्र किसी धार्मिक ग्रंथ की तरह है और यह हमारे और हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए बाध्यकारी है। सरकार बनने के बाद घोषणा-पत्र में कही हुई हर बात को लागू किया जाएगा। सपा सांसद ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, सीएम योगी की परेशानी बढ़ती जा रही है। इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेगी। मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक पहचान से जुड़े मुद्दों की तो चिंता है, लेकिन राज्य की जनता की समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। उन्हें लोगों के कल्याण, विकास या भलाई की कोई चिंता नहीं है। राज्य में किसानों की आत्महत्या, बढ़ते अपराध और मौतों को लेकर चिंता है।

आज से बदल सकते हैं कई नियम और दरें, एलपीजी से एटीएम तक जेब पर पड़ेगा असर

मुंबई, (ईएमएस)। आज 1 अक्टूबर से कई महत्वपूर्ण नियमों और दरों में बदलाव होने की संभावना है। इनका सीधा असर आम लोगों के घरेलू बजट और रोजमर्रा के खर्च पर पड़ सकता है। एलपीजी सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों की मासिक समीक्षा से लेकर एटीएम शुल्क, इलेक्ट्रॉनिक सामान की कीमतों और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से जुड़े नियमों तक कई बदलावों पर लोगों की नजर है।

1) एलपीजी सिलेंडर की कीमतों पर नजर

तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। ऐसे में 1 अक्टूबर को घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर के नए दाम जारी होने की संभावना है। पिछले कुछ महीनों में 19 किलो वाले व्यावसायिक सिलेंडर की कीमतों में कई बार बदलाव हुए हैं, जबकि 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के दाम अपेक्षाकृत स्थिर रहे हैं। अक्टूबर में कीमतों में क्या बदलाव होता है, यह आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगा। एलपीजी ग्राहकों के लिए ई-केवाईसी और आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन भी महत्वपूर्ण हो सकता है। आवश्यक सत्यापन पूरा नहीं करने वाले ग्राहकों को सब्सिडी से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ क्षेत्रों में सिलेंडर डिलीवरी के लिए ओटीपी आधारित सत्यापन की व्यवस्था भी लागू हो सकती है।

2) विमान यात्रा का खर्च

एलपीजी के साथ तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एक्जिशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों की भी समीक्षा करती हैं। एटीएफ की कीमत बढ़ने या घटने से विमान कंपनियों की परिचालन लागत प्रभावित हो सकती है। इसका असर आगे चलकर हवाई टिकटों की कीमतों पर भी पड़ सकता है। हालांकि टिकट की अंतिम कीमत केवल एटीएफ पर निर्भर नहीं करती, इसलिए यात्रियों को 1 अक्टूबर को जारी होने वाले नए



एटीएफ दाम पर नजर रहेगी।

3) एसबीआई ग्राहकों के एटीएम शुल्क में बदलाव की संभावना

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के कुछ ग्राहकों के लिए एटीएम से नकद निकासी के शुल्क में बदलाव की संभावना है। बीएसबीडी यानी बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट खातों में निर्धारित मुफ्त एटीएम लेनदेन की सीमा समाप्त होने के बाद अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। बताए गए प्रावधानों के अनुसार, मुफ्त सीमा पार करने पर प्रत्येक ङ्गरु लेनदेन के लिए 15 रुपये और जीएसटी का शुल्क लग सकता है। वहीं कुछ सैलरी अकाउंट ग्राहकों के लिए भी मुफ्त एटीएम लेनदेन की सीमा में बदलाव की संभावना बताई गई है। सीमा पार होने के बाद वित्तीय लेनदेन पर 23 रुपये और जीएसटी, जबकि गैर-वित्तीय लेनदेन पर 11 रुपये और जीएसटी का शुल्क लागू हो सकता है। हालांकि ग्राहकों को अंतिम शुल्क और लागू नियमों की पुष्टि एसबीआई की आधिकारिक सूचना से करनी चाहिए।

4) टीवी, फ्रिज और एसी

महंगे होने की संभावना
व्योहारी सीजन में अगर आप टीवी, फ्रिज, एसी या अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो कीमतों पर नजर रखना जरूरी होगा। तांबा, स्टील, एल्युमिनियम और कच्चे तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ने की बात सामने आई है। इसके अलावा परिवहन लागत भी कीमतों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों

की कीमतों में करीब 8 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक बढ़ोतरी कंपनी, उत्पाद, मॉडल और बाजार की स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

5) एफडी से जुड़े नियमों में बदलाव

फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) कराने वाले ग्राहकों के लिए भी अक्टूबर से कुछ बदलाव महत्वपूर्ण हो सकते हैं। बैंकों को एफडी पर लागू ब्याज दरों की जानकारी अधिक पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। ग्राहकों को बैंक की वेबसाइट पर संबंधित ब्याज दरों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा, एक ही दिन स्वीकार की गई समान प्रकार की जमाओं पर समान ब्याज दर से जुड़े प्रावधानों तथा बड़ी रकम की जमाओं पर लागू ब्याज दरों के नियमों में भी बदलाव हो सकते हैं।

क्या होगा सीधा असर?

1 अक्टूबर से संबंधित बदलावों का असर आम लोगों के घरेलू बजट, ङ्गरु उपयोग, हवाई यात्रा, इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीद और बचत योजनाओं पर पड़ सकता है। हालांकि एलपीजी और एटीएफ की कीमतें हर महीने बढ़ सकती हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक सामान की कीमतों में बदलाव कंपनी और मॉडल के अनुसार अलग-अलग होगा। इसलिए 1 अक्टूबर को संबंधित तेल पारंपरिक कारीगरी के लिए जाना जाता है। यहां कई परिवार पीढ़ियों से मांदर बनाने के काम से जुड़े हैं। मांदर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को उल्लेख मिलता है। गुमला के रायडीह प्रखंड का अपनी अलग पहचान है। बता दें मांदर को जीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया 2021 में शुरू हुई थी। उन्होंने जीआई रजिस्ट्री के समक्ष मांदर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को उल्लेख कर बताया कि मांदर की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। झारखंड के मांदर की खासियत इसकी बनावट में है। पारंपरिक मांदर का खोल स्थानीय मिट्टी से तैयार किया जाता है। मिट्टी को अफार देकर उसे पकाया जाता है और फिर दोनों सिरों

झारखंड के मांदर को मिला जीआई टैग, ‘मांदर ऑफ झारखंड’ नाम से पंजीकृत

रांची,(ए)। झारखंड का मांदर अब देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुका है। झारखंड के पारंपरिक वाद्ययंत्र मांदर को जीआई टैग मिल गया है। भारत सरकार की जियोग्राफिकल इंडिकेशन रजिस्ट्री, चेन्नई ने इसे ‘मांदर ऑफ झारखंड’ के नाम से पंजीकृत किया है। मांदर को जीआई टैग मिलने का मतलब है अब झारखंड के पारंपरिक तरीके से बनाए जाने वाले इस वाद्ययंत्र को उसकी खास भौगोलिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ मान्यता मिल गई है। इससे झारखंड के मांदर को दूसरे स्थानों पर बनाए जाने वाले मिलने-जुलते वाद्ययंत्रों से अलग पहचान देने में मदद मिलेगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मांदर सिर्फ एक वाद्ययंत्र नहीं, बल्कि झारखंड के लोकजीवन का हिस्सा है। करम, सरहुल और दूसरे पर्व-त्योहारों से लेकर गांव के अखड़े तक इसकी थाप सुनाई देती है। लोकनृत्य और सामुदायिक आयोजनों में मांदर की आवाज लोगों को एक साथ जोड़ने का काम करती रही है। झारखंड के कई आदिवासी समुदायों में मांदर बजाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। झारखंड के मांदर की खासियत इसकी बनावट में है। पारंपरिक मांदर का खोल स्थानीय मिट्टी से तैयार किया जाता है। मिट्टी को अफार देकर उसे पकाया जाता है और फिर दोनों सिरों



पर चमड़ा लगाकर उसे विशेष तरीके से कसा जाता है। इसी पारंपरिक निर्माण प्रक्रिया के कारण मांदर की आवाज में वह खास गूंज और झंकार आती है, जो इसे दूसरे वाद्ययंत्रों से अलग करती है। बाजार में लोहे, एल्युमिनियम या दूसरे आधुनिक पदार्थों से बने मांदर भी मिलते हैं, लेकिन पारंपरिक मिट्टी के मांदर की अपनी अलग पहचान है।

बता दें मांदर को जीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया 2021 में शुरू हुई थी। उन्होंने जीआई रजिस्ट्री के समक्ष मांदर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को उल्लेख कर बताया कि मांदर की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। झारखंड के मांदर की खासियत इसकी बनावट में है। पारंपरिक मांदर का खोल स्थानीय मिट्टी से तैयार किया जाता है। मिट्टी को अफार देकर उसे पकाया जाता है और फिर दोनों सिरों

साबित करने के लिए कई ऐतिहासिक और शोध दस्तावेजों का भी सहारा लिया गया। इनमें मानवशास्त्री शरत चंद्र रॉय और तारक चंद्र दास के शोध कार्यों के साथ दूसरे पुराने दस्तावेज शामिल हैं, जिनमें छोटानागपुर क्षेत्र के जनजातीय जीवन, संगीत और नृत्य में मांदर के महत्व का उल्लेख मिलता है। गुमला के रायडीह प्रखंड का जरजझा गांव मांदर बनाने की पारंपरिक कारीगरी के लिए जाना जाता है। यहां कई परिवार पीढ़ियों से मांदर बनाने के काम से जुड़े हैं। जीआई पहचान मिलने से इन कारीगरों के लिए अपने पारंपरिक हुनर को नए बाजार से जोड़ने की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं। मांदर को जीआई टैग मिलना सिर्फ किसी एक वाद्ययंत्र को मिली मान्यता नहीं है।

